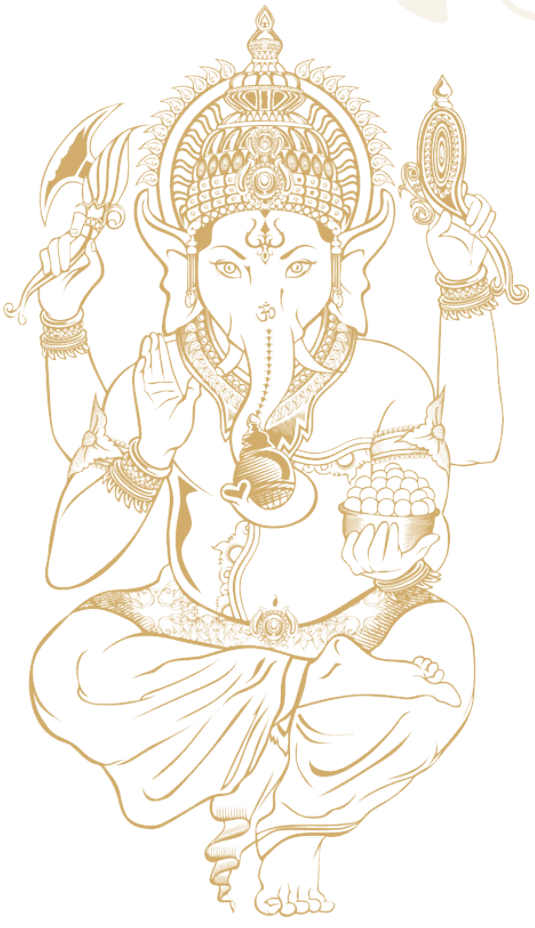

Mr.vikarm Singh

Ms0poornima

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119756907

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/04/2002	जन्म तिथि	29/03/2002
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	09:10:00 घंटे
घटी 25:28:42	जन्म समय(घटी)	06:55:31 घटी
India	देश	India
Sikar River	स्थान	Bikaner
27:33:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
75:12:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:12	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:08:31	सूर्योदय	06:30:57
18:52:06	सूर्यास्त	18:52:18
23:53:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:01

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 6वर्ष 11मा 5दि		25:36:27	सिंह	लग्न	वृष	04:06:18	चन्द्र 2वर्ष 6मा 25दि	
शुक्र		28:28:09	मीन	सूर्य	मीन	14:23:24	राहु	
17/03/2016		24:33:51	मीन	चंद्र	कन्या	19:54:21	24/10/2011	
17/03/2036		05:14:24	वृष	मंगल	मेष	25:24:18	23/10/2029	
शुक्र	18/07/2019	04:04:50	मेष	बुध	मीन	05:14:48	राहु	06/07/2014
सूर्य	17/07/2020	14:25:34	मिथु	गुरु	मिथु	12:56:43	गुरु	28/11/2016
चन्द्र	18/03/2022	19:51:36	मेष	शुक्र	मेष	02:15:41	शनि	05/10/2019
मंगल	18/05/2023	17:36:26	वृष	शनि	वृष	16:17:54	बुध	24/04/2022
राहु	18/05/2026	25:29:33	वृष व	राहु व	वृष	26:48:43	केतु	12/05/2023
गुरु	16/01/2029	25:29:33	वृश्चि व	केतु व	वृश्चि	26:48:43	शुक्र	12/05/2026
शनि	17/03/2032	03:54:11	कुंभ	हर्ष	कुंभ	03:17:17	सूर्य	06/04/2027
बुध	16/01/2035	16:50:06	मक	नेप	मक	16:32:46	चन्द्र	05/10/2028
केतु	17/03/2036	23:36:13	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	23:43:30	मंगल	23/10/2029

लग्न-चलित

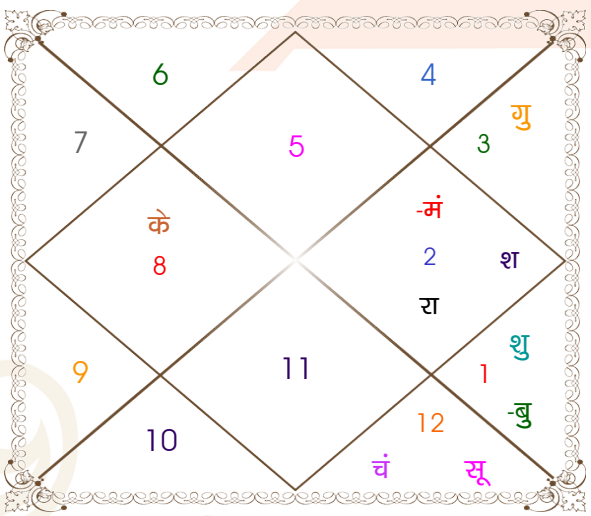

लग्न-चलित

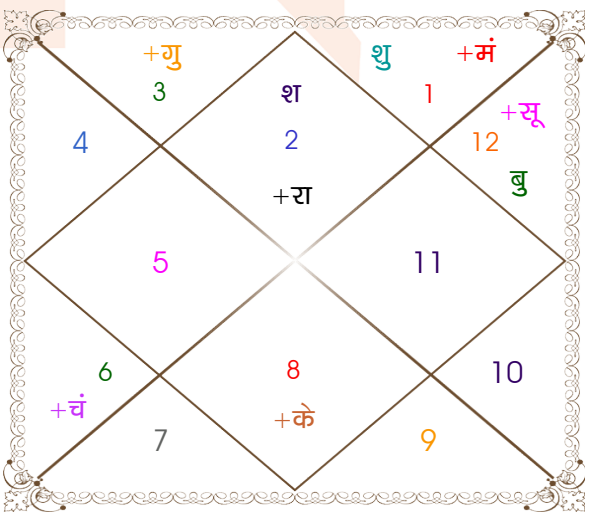

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतण्अपांतउै पदही का वर्ग सिंह है तथा डे0चववतदपउं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्अपांतउै पदही और डे0चववतदपउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्अपांतउै पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

डे0चववतदपउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डे0चववतदपउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डे0चववतदपउं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतण्अपांतउै पदही तथा डे0चववतदपउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।